सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 200 | इंदौर, मंगलवार 30 जनवरी, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. Weather: पंजाब-हरियाणा से लेकर बिहार तक तीन दिन कोहरे का यलो अलर्ट; उत्तर भारत में चल रही धूप की आंख-मिचौली
2. Bengal: 'इंडिया गठबंधन में रहने को तैयार TMC, लेकिन...', सीट बंटवारे पर अभिषेक बनर्जी की कांग्रेस को चेतावनी
3. USA: बैंकॉक में अमेरिका-चीन की अहम बैठक 12 घंटे चली, दोनों देशों की बढ़ती नजदीकी पर नाटो ने चेताया
4. Bihar : सीएम नीतीश की छवि सुधारने निकले मंत्री, तेजस्वी को भी दिया जवाब; बिहार में क्रेडिट वॉर अब विज्ञापन से
5. Elon Musk: एलन मस्क की न्यूरालिंक ने इंसानी दिमाग में सफलतापूर्वक लगाई चिप, दिव्यांगों को मिल सकता है नया जीवन
6. US: अमेरिका में एक और भारतीय छात्र की गई जान, यूनिवर्सिटी से हुआ था गायब, अब मौत की पुष्टि
7. US: 'जल्द ही इस्राइली बंधकों की रिहाई और गाजा में युद्धविराम की उम्मीद', वाशिंगटन में कतर के पीएम की घोषणा

ईडी ने झारखंड के सीएम की BMW सीज की, दिल्ली पुलिस से कहा

लापता हेमंत सोरेन को खोजकर लाएं, आज सीएम हाउस में बैठक

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को खोजकर लाएं। मंगलवार 30 जनवरी को टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में ये बात सामने आई है। हेमंत सोरेन बीते 24 घंटे से कहां है, इसकी किसी को जानकारी नहीं है।

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रांची। जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ED) की टीम 29 जनवरी की सुबह करीब सात बजे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साउथ दिल्ली स्थित आवास (5/1 शांति निकेतन) पहुंची, लेकिन वे नहीं मिले। तलाशी के बाद जांच एजेंसी ने उनकी BMW कार भी जब्त कर ली और अपने साथ ले गए। मंगलवार सुबह भी CM हाउस के सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री नहीं लौटे हैं।

इस बीच, रांची के मुख्यमंत्री आवास में आज सत्ताधारी दलों के विधायकों की अहम बैठक होने वाली है। बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मौजूद रह सकते हैं। एक दिन पहले 29 जनवरी को कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने कहा था कि बैठक में CM मौजूद रहेंगे। इधर, 31 जनवरी को 1 बजे हेमंत सोरेन ने ED को पूछताछ के लिए वक्त दिया है।

रांची में आज तीन जगहों मुख्यमंत्री आवास, राजभवन और ईडी कार्यालय के आसपास धारा 144 लगाई गई है।

JMM ने कहा- भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) ने बयान जारी कर कहा- जब से झारखंड में आदिवासी युवा हेमंत सोरेन के कुशल नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनी है, तब से केंद्र सरकार और भाजपा सरकार गिराने की साजिश रच रही है। तमाम राजनीतिक कोशिशों के बाद अब केंद्र और भाजपा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने कहा कि CM हेमंत सोरेन मंगलवार को आप सभी के सामने होंगे। मंगलवार को बैठक बुलाई गई है। ऐसा नहीं है कि CM का किसी ने अपहरण कर लिया है। यह बदले की राजनीति है। उन्हें (भाजपा को) बस किसी तरह से सत्ता में आना है।

कांग्रेस विधायक विक्सल कोंगडी ने कहा, हम CM आवास आए थे। कोई खास बातचीत नहीं हुई। सभी ने साथ बैठकर चाय पी। कल (मंगलवार, 30 जनवरी) फिर दो से तीन बजे के बीच बैठक हो सकती है। सभी विधायकों को रांची में रहने का निर्देश दिया गया है। कल बैठक तय है।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (JMM) के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि हेमंत सोरेन ने ED को ईमेल पर पूछताछ के लिए समय दिया है। इसमें लिखा गया है- 31 जनवरी को दोपहर 1 बजे पूछताछ के लिए सीएम तैयार हैं। ED की कार्रवाई अलोकतांत्रिक है।

झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन के दिल्ली स्थित ठिकाने पर 29 जनवरी को ED की टीम पहुंची थी, लेकिन वे नहीं मिले। अब तक उनका पता नहीं चला है।

झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन के दिल्ली स्थित ठिकाने पर 29 जनवरी को ED की टीम पहुंची थी, लेकिन वे नहीं मिले। अब तक उनका पता नहीं चला है।

आपका एक्शन राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित है-सीएम

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने प्रवर्तन निदेशालय को पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि-आप अच्छी तरह से जानते हैं कि विधानसभा का बजट सत्र 2 और 29 फरवरी 2024 के बीच आयोजित किया जाएगा। उसकी तैयारियों और इसके साथ ही दूसरे पूर्व निर्धारित आधिकारिक कार्यक्रमों में व्यस्तता रहेगी। इन परिस्थितियों में 31 जनवरी 2024 को या उससे पहले एक और बयान दर्ज करने की बात दुर्भावनापूर्ण है। आपका रवैया आपके राजनीतिक एजेंडे को उजागर करता है। जो राज्य सरकार के कामकाज को बाधित करने और एक निर्वाचित प्रतिनिधि को अपने आधिकारिक कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोकने की कोशिश है। इस तरह से समन जारी करना कष्टदायक है और क़ानून द्वारा दी गई शक्तियों का दुरुपयोग है।

बाबूलाल बोले-सीएम को ढूंढ कर लाने वाले को 11 हजार का इनाम

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की है। उन्होंने लिखा- झारखंड के लोगों से मार्मिक अपीलः- हमारे राज्य के मुख्यमंत्री केन्द्रीय एजेंसियों के डर के मारे पिछले करीब चालीस घंटे से लोकलाज त्याग कर लापता हैं और चेहरा छिपाकर भागे-भागे फिर हैं।

यह न सिर्फ़ मुख्यमंत्री की निजी सुरक्षा के लिये ख़तरा है बल्कि झारखंड की साढ़े तीन करोड़ जनता की सुरक्षा, इज्जत, मान-सम्मान भी ख़तरे में है।

जो कोई भी बिना विलम्ब हमारे इस "होनहार" मुख्यमंत्री को सकुशल खोजकर लायेगा उसे मेरी तरफ़ से ग्यारह हज़ार रुपये का इनाम दिया जायेगा।

एसी, कैमरा, चार्जिंग प्वाइंट... इंदौर में दौड़ेगी सुविधाओं से लैस इलेक्ट्रिक बसें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। इंदौर में लोगों को राहत देने के लिए शहर में अब इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेगी। ब्लू कलर की यह बस शहर में पहुंच गई है। शुरुआती दौर में इलेक्ट्रिक बसें राजीव गांधी चौराहे से देवास नाका तक चलेगी। परमिट मिलने के बाद बसें चलने लगेगी।

इंदौर के BRTS कॉरिडोर पर अब नई इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती हुई दिखाई देगी। करीब डेढ़ करोड़ रुपए कीमत की पहली ई-बस इंदौर आ गई है। राजीव गांधी चौराहा स्थित डिपो पर फिलहाल बस का ट्रायल किया जा रहा है जल्द ही इलेक्ट्रिक बस को BRTS पर उतारा जाएगा। यह बस कई आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इंदौर के लोगों का सफर आरामदायक हो, इसलिए ये बसें लाई गई हैं। हिंदुजा ग्रुप के एडब्लयूएम बोनी सहाय ने बताया कि नई इलेक्ट्रिक बसें मौजूदा बसों की अपेक्षा ज्यादा आरामदायक है। साथ ही कई आधुनिक सुविधाओं से लैस भी है। अन्य बसों की तुलना में इसमें शानदार एसी है। वहीं, एक बार चार्ज होने पर ये बस करीब 300 किलोमीटर की सफर

तय करती है। इस बस में 6 फेस की मोटर लगाई है। सुरक्षा के लिहाज से बस में एबीएस सिस्टम लगाया गया है। इस बस में दिव्यांगों के लिए खास सुविधा दी गई है। इससे दिव्यांग अपने व्हील चेयर को सीधे बस के अंदर ला सकेंगे। बस में पावरफुल एसी के साथ ही जीपीएस, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, फायर अलार्म, सीसीटीवी कैमरे, ऑनबोर्ड यूनिट जैसी कई सुविधाएं दी गई है, जो यात्रा को सुरक्षित भी बनाएंगी। इन बसों को चार्ज करने में डेढ़ से दो घंटे का वक्त लगेगा। इंदौर BRTS पर अभी कुल 49 बसें चल रही हैं। जिसमें 29 बसें सीएनजी हैं। डीजल की इन 20 बसों को इलेक्ट्रिक बस से बदल दिया जाएगा। इसके अलावा 10 नई बसें भी चलाई जाएगी। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए डीजल बसों को रिप्लेस कर इलेक्ट्रिक बसों को लाया जा रहा है।

→अलग से चार्जिंग डिपो

वहीं, अभी बस का राजीव गांधी डिपो के अंदर ही चार्जिंग, कैपेसिटी और कम्फर्ट सहित अन्य पॉइंट पर ट्रायल किया जा रहा है। जल्द ही परमिट मिलने के बाद बसों को लॉन्च कर दिया जाएगा।

कटाक्ष

©www.detectivegroupreport.com

खजराना गणेश मंदिर में तिल चतुर्थी मेले की शुरुआत, भगवान को चढ़ाया स्वर्ण मुकुट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। अति प्राचीन और अटूट आस्था का केंद्र श्री खजराना गणेश मंदिर में सोमवार से तीन दिनी तिल चतुर्थी मेले की से शुरूआत हो गई। रविवार रात 12 बजे गणेशजी का स्वर्ण मुकुट सहित स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद तिल-गुड़ के सवा लाख लड्डुओं से भोग लगाया गया। इस दौरान सुबह से ही भगवान गणेश के दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही।

सोमवार सुबह 10 बजे कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंधन समिति के अध्यक्ष आशीष सिंह, मंदिर प्रशासक हर्षिका सिंह, विधायक महेंद्र हार्डिया ने महोत्सव का शुभारंभ किया। इसके बाद तिल-गुड़ के सवा लाख लड्डुओं के प्रसाद वितरण किया गया। मंदिर परिसर स्थित 40 मंदिरों की ध्वजा का पुजारी पं. मोहन भट्ट और पं. अशोक भट्ट के निर्देश में पूजन संपन्न हुआ। मेले की पहली रात 8.30 बजे से मोहित अग्रवाल का शास्त्रीय गायन भी होगा। गणेश मंदिर में तिल चतुर्थी के उपलक्ष्य में भगवान गणेश का दो करोड़ की लागत से स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार किया गया। श्रृंगार में स्वर्ण मुकुट, स्वर्ण चंद्रिका, स्वर्ण छत्र, स्वर्ण तिलक आदि आभूषणों से किया गया। खास बात ये है कि 1735 में खजराना गणेश मंदिर की स्थापना भी तिल चतुर्थी के मौके पर ही हई थी। उस वक्त देवी अहिल्याबाई होलकर ने इस मंदिर की नींव रखी थी। खजराना गणेश मंदिर परिसर में लगने वाले तिल चतुर्थी मेले में हर साल लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

13 संभावित रुए रुट को लेकर ई-रिक्शा चालकों में आक्रोश

सीएम को चाबी सौपेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। ट्रैफिक सुधारने के नाम पर जिला प्रशासन द्वारा ई रिक्शा को लेकर जो 13 संभावित रुए रुट तय किए हैं उसे लेकर ई रिक्शा चालकों में आक्रोश है। उनका कहना है कि रूट तय करने का अधिकार आरटीओ को नहीं है। नो बैटरी ऑटो व्हीकल जोन से कई ई रिक्शा चालक के रोजगार छीन जाएंगे। अगर जल्द मांगें नहीं मानी गई तो सभी चालक मुख्यमंत्री के आगमन पर उन्हें वाहनों की चाबी सौंपकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

इंदौर बैटरी रिक्शा चालक महासंघ के संस्थापक राजेश बिडकर, जोन अध्यक्ष आदित्य पवार व महिला अध्यक्ष अर्चना शर्मा ने मनोज दरेकर ने बताया कि शहर जब ई रिक्शा लॉन्च की थी तब जिला प्रशासन ने सभी को आश्वासन दिया था कि ई रिक्शा पूरे शहर में चलेगी। इसके लिए परमिट और रूट की व्यवस्था नहीं थी लेकिन अब नए नियम लाने से चालकों का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा। शहर में 5500 बैटरी ऑटो रिक्शा इंदौर आरटीओ में रजिस्टर्ड हैं। गरीब लोगों ने कर्जा कर खुद का रोजगार शुरू किया लेकिन रूट तय होने से रोजगगार ठप हो जाएगा क्योंकि एक रूट पर

संभागायुक्त को सौंपा ज्ञापन

शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए परिवहन विभाग और ट्रैफिक विभाग ने ई-रिक्शा के रूट तय किए हैं। शहर में 23 रूट बनाए गए है। इसे लेकर ई-रिक्शा चालकों में आक्रोश है। सोमवार को चालकों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा। इंदौर शहर में 5500 बैटरी आटो रिक्शा इंदौर आरटीओ में रजिस्टर्ड है। रूट का नियम आने के बाद में व्यापार व्यवसाय ठप हो जाएगा। रूट तय करने के पहले ई रिक्शा यूनियन को विश्वास में नहीं लिया गया। एक रूट पर 300 गाड़ियां चलेगी। इससे कई रूट पर आमदनी नहीं होगी, वजह वहां ट्रैफिक नहीं हैं।

300 गाड़ियां चलेंगी। पदाधिकारियों ने कहा कि रुट तय करने के पहले ई रिक्शा यूनियन को विश्वास में नहीं लिया गया। शहर का ट्रैफिक सुगम बने यह हम भी चाहते हैं लेकिन सभी के लिए ट्रैफिक कानून समान हो यह भी जरूरी है। ट्रैफिक सुधार के नाम पर सिर्फ गरीबों को टारगेट बनाया जा रहा है। आरोप है कि एआईसीटीएसएल की बसें ओवरलोड चल रही हैं और ट्रैफिक में बाधा बन कर रही है। उन पर कार्रवाई के बजाय ई रिक्शा चालकों को तीन और पांच किलोमीटर का रुट दिया जा रहा है जो कि व्यावहारिक नहीं है। चालकों ने बताया कि 25% महिलाएं ई रिक्शा लोन लेकर कर रोजगार पा रही है। नियमों के तहत सिर्फ गियर वाली कमर्शियल गाड़ी को ही परमिट और रुट दिए जाते हैं। बैटरी संचालित वाहनों के लिए सिर्फ लाइसेंस की आवश्यकता होती है। इसका परमिट एवं रुट तय करने का अधिकार आरटीओ को नहीं है। इस संबंध में ई रिक्शा चालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें 7 बिंदुओं पर सहमति बनी। इसमें नई बैटरी ऑटो रिक्शा बिक्री पर रोक लगाने, ई रिक्शा के रूटों पर पुनर्विचार करने जिसमें मोटर व्हीकल एक्ट का ध्यान रखा जाए, चालकों की वर्दी और किराया तय करने, यात्री प्रतीक्षालय चिन्हित करने, राजबाडा क्षेत्र को नो व्हीकल जोन बनाने, एआईसीटीएसएल बसों गाइड लाइन तय करने औक ई ऑटो रिक्शा बिना लाइसेंस चलने पर कारवाई हो, ये प्रमुख हैं। इसे लेकर पहले सांसद शंकर लालवानी, मंत्री तुलसी सिलावट व जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके बावजूद यदि बिना विश्वास में लिए कोई भी व्यवस्था तय की जाती है तो सभी ई रिक्शा चालक मुख्यमंत्री के आगमन पर अपने वाहनों की चाबी उन्हें सौंपकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

राज्य स्तरीय बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में इंदौर के रत्नेश को कांस्य पदक

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पिछले दिनों मिस्टर एमपी 2024 बॉडीबिल्डिंग एवं मेन फिजिक्स चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन मुरैना में किया गया, जिसमें प्रदेशभर के बॉडी बिल्डर्स ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाने मुरैना पहुंचे थे । इस प्रतियोगिता में कांटे की टक्कर हुई जिसमें इंदौर के रत्नेश घोगलिये को तीसरा स्थान मिला,उन्हें कांस्य पदक देकर सम्मानित किया। गया इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रतलाम के और दूसरे स्थान पर उज्जैन के बॉडी बिल्डर रहे। रत्नेश की इस उपलब्धि पर कई लोगों ने उन्हें बधाई प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

छह रंगों की होती है नंबर प्लेट, आपकी गाड़ी के लिए कौन सा रंग सही, ट्रैफिक पुलिस ने दी जानकारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर और पुलिस उप महानिरीक्षक यातायात प्रबंधन मनीष कुमार अग्रवाल की पहल पर ट्रैफिक अल्फाबेटस कैलेंडर तैयार किए गए हैं। ट्रैफिक अल्फाबेट्स में यातायात के विभिन्न पहलुओं को संग्रहित किया गया है। अब यातायात पुलिस द्वारा ट्रैफिक अल्फाबेट्स कैलेंडर यातायात के नियमों के प्रचार-प्रसार के लिए शहर के स्कूलों में वितरित किए जा रहे हैं। शासकीय हाई स्कूल पिपलियाहाना में 'ट्रैफिक की पाठशाला' लगाई गई, यातायात पुलिस की टीम ने बहुत ही रोचक तरीके से ट्रैफिक अल्फाबेट्स सिखाए। स्टूडेंट्स को एन फार- नंबर प्लेट्स व हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट्स के बारे में बताया गया।

1. सफेद नंबर प्लेट- प्राइवेट वाहनों में सफेद नंबर प्लेट का इस्तेमाल होता है।
2. पीली नंबर प्लेट- व्यवसायिक वाहन चालकों को पीले रंग की नंबर प्लेट लगाने का अधिकार है।
3. हरे रंग की नंबर प्लेट- इलेक्ट्रिक वाहन मालिक हरे रंग की नम्बर प्लेट से गाड़ी चला सकते हैं, हरे रंग पर सफेद से नम्बर हो तो प्राइवेट इलेक्ट्रिक व्हीकल और यदि पिले से अक्षर लिखे हो तो कमर्शियल इलेक्ट्रिक व्हीकल है।
4. काली नंबर प्लेट- किराए के कार चालक आमतौर पर पीले अक्षरों वाली काली नंबर प्लेट वाले वाहन चलाते हैं। जैसे जूम कार।
5. लाल रंग की नंबर प्लेट- लाल रंग की नंबर प्लेट पर सफेद अल्फा-न्यूमेरिक नंबर लिखे होते हैं। इसका इस्तेमाल बिल्कुल नई कारों पर किया जाता है और इसे आमतौर पर वाहन निर्माता या डीलर जारी करते हैं।
6. नीला नंबर प्लेट- विदेशी प्रतिनिधि या राजदूत सफेद अल्फा-अंकों वाला नीला नंबर प्लेट का उपयोग कर सकते हैं।

7. ऊपर की ओर इशारा करने वाले तीर के साथ नंबर प्लेट- सैन्य अधिकारियों को ही ऐसे वाहन चलाने की अनुमति है। ऐसी गाड़ियों के नंबर प्लेट पर ऊपर की ओर इशारा करने वाला तीर होता है।
8. भारत के प्रतीक' के साथ लाल रंग की नंबर प्लेट- भारत के राष्ट्रपति या संबंधित राज्यों के राज्यपाल 'भारत के प्रतीक' के साथ लाल रंग के प्लेट का उपयोग करते हैं।

→बच्चों ने पूछे कई सवाल

इसके अतिरिक्त स्टूडेंट को आरसी- रजिस्ट्रेशन प्लेट, डीएल- ड्राइविंग लाइसेंस, पीयूसी- पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट के बारे में भी विस्तार से बताया। छात्रों ने बड़ी ही उत्सुकता के साथ यातायात के नियमों को ना सिर्फ जाना बल्कि अपने पैरेंट्स को भी प्रेरित करने का वादा किया। पाठशाला के दौरान यातायात के आरक्षक सुमन्त सिंह कछावा से बच्चों ने प्रश्न भी किए और उनकी जिज्ञासाओं को दूर किया। इस दौरान शासकीय हाई स्कूल पिपलियाहाना इंदौर का स्टाफ सीमा सोमानी (एसपीसी नोडल), संध्या यादव नीता जावनजड, आरती तिवारी, उमा पाठक, हरेंद्र राज बिल्लौर, संदीप जैन, अलका पवार आदि उपस्थित रही।

दो मीटर की वॉल हैंगिंग पर उतारी रामायण

ऐतिहासिक कांथा वर्क से दो साल में की तैयार, पीएम को गिफ्ट करना चाहते हैं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। भोपाल के रवींद्र भवन में चल रहे लोकरंग में बंगाल के एक आर्टिस्ट सोमदेव विश्वास एक अलग तरह का आर्ट लेकर पहुंचे हैं। उनके पास करीब दो मीटर लंबी वॉल हैंगिंग है, जिस पर पूरी रामायण का चित्रण है। सोमदेव बताते हैं कि इस वॉल हैंगिंग को बनाने में बहुत मेहनत लगी है। इसमें हमने नुक्सी कांथा वर्क किया है, जो कि यहां का प्राचीन वर्क है।

सोमदेव बताते हैं कि उन्होंने यह वॉल हैंगिंग दो साल में तैयार की है। इसमें रामायण के लगभग हर चित्र को कॉटन के धागों से बनाया गया है। जो काफी चैलेंजिंग था। इसमें खास तौर सूर्पणखा की नाक काटते हुए बनाया गया चित्र में काफी समय लगा था। इसकी कीमत करीब 10 हजार रुपए रखी है।

पीएम को करना चाहते हैं गिफ्ट- इस बारे में बात करते हुए सोमदेव विश्वास कहते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से आयोध्या स्थित राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की है, मैं उन्हें यह वॉल हैंगिंग गिफ्ट करना चाहता हूं। क्योंकि उन्होंने देश के लिए एक बहुत अच्छा काम किया है। मैं उनकी पर्सनालिटी से प्रभावित हूं।

वॉल हैंगिंग में यह दृश्य दिखाए- वनवास के दौरान की वह झोपड़ी बनाई, जहां सीता जी रहती थीं। लक्ष्मण रेखा का चित्र और सीता मां को ले जाते हुए रावण को दिखाया गया है।अशोक वाटिका में सीता मां को दिखाया। वहां आते हुए हनुमान जी के कई चित्र हैं। इसके अलावा राम रावण युद्ध और राजतिलक तक के चित्र हैं।

कांथा कढ़ाई

कहा जाता है कि कांथा भारतीय कढ़ाई की सबसे प्राचीन कला है। इस कढ़ाई को करने का उद्देश्य यह था कि पुराने कपड़ों और मेटेरियल को फिर से इस्तेमाल किया जा सके। उनसे कुछ नायाब बनाया जा सके। यही कारण है कि यह अपनी तरह की एक अद्भुत कढ़ाई है। कहा जाता है कि कांथा का काम लगभग 500 साल पुराना है।

डॉक्टरों को रेप पीड़िता का काटना पड़ेगा हाथ

एक सर्वाइकल रिब और फर्स्ट क्लेविकल भी हुई खराब; डॉक्टरों ने कहा कोई दूसरा उपाय नहीं

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रीवा। हैवानियत की शिकार हो चुकी नाबालिग पीड़िता का एक जख्म अभी भरा भी नहीं था कि अब उसे एक और गंभीर बीमारी हो गई है। जिसकी वजह से उसका बायाँ हाथ अब काटना पड़ेगा। बता दें कि अभी उसका इलाज रीवा के संजय गांधी अस्पताल में चल रहा है। पूरा मामला रीवा जिला मुख्यालय से 100 किलोमीटर दूर जनेह थाना क्षेत्र का है। जहां 14 वर्षीय नाबालिग को शादी का झांसा देकर एक 17 वर्षीय नाबालिग ने ही उसके साथ रेप किया था। जहां नाबालिग आरोपी को नवंबर में ही बाल सम्प्रेषण गृह भेज दिया गया था।

परिजनों को मामले की जानकारी हुई तब तक नाबालिग गर्भवती हो चुकी थी। बाद में जिसका गर्भपात करवाना पड़ा। घटना के बाद पीड़ित परिवार आजीविका के लिए अहमदाबाद चला गया और वहीं पर रहने लगा। जहां अचानक एक बार फिर नाबलिग की तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने सर्वाइकल का ऑपरेशन किया और नाबालिग को गैंग्रीन बीमारी होने की जानकारी दी। निराश होकर नाबालिग के परिजन एक बार फिर नाबालिग को लेकर रीवा लौट आएं। जहां नाबालिग को इलाज के लिए 25 जनवरी को रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। तब से लगातार उसका इलाज जारी है।

मेडिकल कॉलेज के डीन मनोज इंदूरकर ने बताया की अस्पताल में भर्ती नाबालिग की मां ने आरोप लगाया है कि डॉक्टरों की लापरवाही की वजह से उसका हाथ काला पड़ गया है। जो आरोप बिल्कुल ही निराधार हैं क्योंकि हमने उनके पेपर देखे हैं। उन्होंने बताया कि नाबालिग इससे पहले अहमदाबाद में अपना इलाज करा रही थी। वहां की भी जो एमआरआई की रिपोर्ट है उसके अनुसार उसे जन्म से ही ये बीमारी है। जिस वजह से उसकी एक सर्वाइकल रिब और फर्स्ट क्लेविकल फ्यूज हो गई है। वहीं से निकलने वाली एक नस में कॉम्बरेज होने से रक्त का प्रवाह भी कम हो गया है और नस में थ्राम्बोसिस हो चुका है। जिन वजहों से उसके बाएं हाथ में रक्त का प्रवाह नहीं पहुंच पाने से हाथ काला पड़ गया है।

उन्होंने बताया कि इस बारे में अहमदाबाद के डॉक्टरों ने परिजनों को पहले ही बता दिया था कि आगे हाथ का इलाज संभव नहीं है और हाथ को अब काटना पड़ेगा। जहां अब उस हाथ को दवाइयों से ठीक नहीं किया जा सकता और हाथ को अलग करने के अलावा कोई दूसरा उपाय नहीं है। अगर समय रहते ऐसा नहीं किया गया तो ये बीमारी आगे और बढ़ सकती है। बच्ची को कुछ दिनों पहले ही भर्ती करवाया गया है। जिसके स्वास्थ्य का जायजा मैंने भी रविवार को लिया है और परिजनों से भी बात की है। जिसकी हालत अब पहले से बहुत बेहतर है।

कलेक्टर आने के बाद अवैध रेत परिवहन

→ओवरलोड डंपरों पर कार्रवाई:पहली बार चैकिंग करने निकले खनिज अधिकारी, आरटीओ और डीएसपी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

नर्मदापुरम। तेजतर्रार कलेक्टर सोनिया मीना के आने के बाद नर्मदापुरम में पहली बार रेत के अवैध परिवहन व ओवरलोड डंपरों पर कार्रवाई की गई। लंबे समय बाद जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, आरटीओ निशा चौहान व डीएसपी संतोष मिश्रा के साथ संयुक्त दल बनाकर रात में कार्रवाई करे उतरे। रात 11 से 1 और तड़के 5 बजे से 7 बजे तक चली सघन चैकिंग अभियान में 9 डंपरों को पकड़ा गया। जिनमें 7 डंपर रेत से भरे मिले। 7 में से कितने रॉयल्टी व कितने बिना रॉयल्टी के है। ये खनिज विभाग दस्तावेज देखने के बाद स्पष्ट होने की बात कह रहा है। दो डंपर को प्रेशर हार्न लगे होने से पकड़ा गया है।

पिछले दिनों जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डंपर व ट्रॉली में प्लेट लगाकर ओवरलोड रेत व अन्य सामान भरकर परिवहन करने की बात सामने आई थी। जिस पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी कड़ी में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, आरटीओ निशा चौहान, यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा संयुक्त टीम बनाकर कार्रवाई करने उतरे।

देर 11 से 1 बजे और मंगलवार सुबह 5 बजे माखननगर रोड पर सघन जांच की गई। डंपरों को बाबई रोड व आंचलखेड़ा गांव के पास से पकड़ा गया है। 7 डंपर अवैध रेत से ओवरलोड थे, दो डंपरों में प्रेशर हॉर्न लगा हुआ था। रेत की रॉयल्टी कितने डंपर में है। ये पता करने में खनिज विभाग को समय लग रहा। जबकि वर्तमान में रॉयल्टी है या नहीं, दो मिनिट में ऑनलाइन चैक की जा सकती है।

डंपरों को देहात थाने व आरटीओ कार्यालय परिसर में खड़ा कराया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार रात के अंधेरे का फायदा उठाकर बांद्राभान, रायपुर व कई रेत खदानों से सभी हाईवा व डंपर अवैध रूप से रेत भरकर भोपाल इंदौर की ओर जा रहे थे। इसी बीच प्रशासन की टीम ने रात में कार्रवाई की। वहीं कार्रवाई के दौरान कुछ डंपर चालकों के भागने की भी खबर है। इसके बाद टीम ने ड्राइवरों को पकड़ा।

मां नर्मदा के जन्मोत्सव की तैयारियां शुरु

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बड़वानी। हर साल की तरह इस साल भी बड़वानी के करीब स्थित नर्मदा तट रोहिणी तीर्थ राजघाट-कुकरा में नर्मदा जयंती के अवसर पर होने वाले जन्मोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां प्रारंभ हो गई है। यहां मां नर्मदा के जन्मोत्सव पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन के मुख्य सूत्रधार 108 श्री रामदास त्यागी बाबाजी ने बताया कि 14 फरवरी से 16 फरवरी तक नर्मदा तट पर विभिन्न आयोजन किए जाएंगे। 14 से 16 फरवरी तक प्रतिदिन शिव पुराण कथा का आयोजन होगा। वहीं 26 फरवरी को सुबह 10 बजे विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। साथ ही दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारा होगा। वहीं शाम को नर्मदा पालकी यात्रा निकालकर महाआरती की जाएगी। मां नर्मदा के जन्मोत्सव को लेकर नर्मदा भक्तों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर भगवा झंडा लगाकर आयोजन का शुभारंभ किया गया।

कूनो नेशनल पार्क से बाहर निकली मादा चीता वीरा

दो दिनों से वीरपुर तहसील क्षेत्र में मिल रही लोकेशन, वन विभाग कर रहा सर्चिंग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

श्योपुर। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क से मादा चीता वीरा पिछले दो दिनों से बाहर है। उसकी लोकेशन वीरपुर तहसील इलाके में रिहाईशी इलाकों के आसपास देखी जा रही है। सोमवार शाम यह चीता वीरपुर पुलिस थाने की बाउंड्री के ठीक पास में कोनदे नाले में देखी गई थी।

इसके बाद चक सीताराम गांव के पास श्यारदा ग्राम पंचायत की सरपंच के घर के पीछे भी देखी गई, जिसे देखने के लिए सरपंच के घर लोगों की भीड़ जमा हो गई। वन विभाग अमला भी चीते की लोकेशन को ट्रेस करते वीरपुर के आसपास घूम रहा है। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम करीब 7 बजे चीता वीरा को चक सीताराम और हारकुई गांव के आसपास देखी गई। इस इलाके से कुछ ही किलोमीटर आगे से मुरैना जिले की सीमा शुरू हो जाती हैं। अगर चीता आगे बढ़ती हैं, तो मुरैना जिले की सीमा में प्रवेश कर जाएगी। वहां से कुछ ही किलोमीटर आगे चंबल नदी हैं, जहां से राजस्थान की भी सीमा लगी है। इस वजह से वन अमला चीते को लगातार ट्रैक करके उस पर निगरानी बनाए हुए हैं। ताकि, चीता अगर राजस्थान की सीमा की तरफ बढ़े, तो उसे ट्रेंकुलाइज करके वापस कूनो नेशनल पार्क लाया जा सके।

वीरपुर क्षेत्र के जंगल में सबसे ज्यादा वन्य जीव- कूनो नेशनल पार्क में शावकों सहित चीतों की संख्या 21 हैं, लेकिन तेंदुए से लेकर हिरण, सांभर और नीलगाय और तमाम तरह के वन्य जीवों की तादाद यहां हजारों में हैं। हर किलोमीटर के दायरे में यह वन्य जीव कूनो के अंदर देखे जा सकते हैं। लेकिन, सबसे ज्यादा वन्य जीव वीरपुर वन रेंज के लोंझर क्षेत्र में देखने को मिल रहे हैं। शायद यह चीता भी इसी वजह से इस क्षेत्र के लिए आकर्षित हुई होगी।

New Delhi

इंडियन नेवी का अदन की खाड़ी में बड़ा ऑपरेशन, आईएनएस सुमित्रा ने 19 पाकिस्तानी नाविकों समेत ईरानी जहाज को बचाया

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारतीय नौसेना का अरब सागर में दबदबा देखने को मिल रहा है. भारतीय युद्धपोत INS सुमित्रा ने सोमवार को अदन की खाड़ी में सोमाली समुद्री लुटेरों को करारा जवाब दिया है और 19 पाकिस्तानी नागरिकों समेत ईरानी जहाज को बचाया है. इन लुटेरों ने मछली पकड़ने वाले जहाज को किडनैप कर लिया था. जहाज से इमरजेंसी कॉल आने के बाद युद्धपोत ने दूसरा समुद्री डकैती विरोधी अभियान चलाया और बड़ी सफलता हासिल की.

इससे पहले भारतीय नौसैनिक युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा ने रविवार को ईरान के जहाज एफवी ईमान को बचाया था. उसके बाद जहाज अल नईमी को सोमालिया के लुटेरों के शिकंजे से छुड़ाया है. यह घटना केरल के कोच्चि के तट से 800 मील दूर अरब सागर में हुई.

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता ने एक्स पर लिखा, आईएनएस सुमित्रा ने मछली पकड़ने वाले जहाज अल नईमी पर समुद्री डकैती के प्रयास को विफल कर दिया और 11 सोमाली समुद्री डाकुओं से 19 पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को बचा लिया है. ये कार्रवाई अदन की खाड़ी में कोच्चि के तट पर की गई है. 28 जनवरी को ईरानी झंडा वाले मछली पकड़ने वाले जहाज के किडनैप के बारे में जानकारी मिली थी. जिसके बाद भारतीय युद्धपोत INS सुमित्रा ने मोर्चा संभाला और 19 पाकिस्तानी नागरिकों को ले जा रहे जहाज को बचाया है, इसे सोमालिया के पूर्वी तट से सशस्त्र सोमाली समुद्री डाकुओं ने अपहरण कर लिया था.

New Delhi

एनसीआर में कोहरे से कोहराम

ट्रेनों-गाड़ियों की रफ्तार थमी, कई उड़ानें रद्द बारिश का भी अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली एनसीआर में कोहरे के अलावा ठंड और प्रदूषण का कहर जारी है। जहां दिल्ली समेत पूरा एनसीआर मंगलवार सुबह कोहरे की मोटी परत से ढका नजर आया। वहीं जमीन से लेकर आसमान तक कोहरे की वजह से रफ्तार थम गई। ट्रेनों से लेकर गाड़ियों और उड़ानों पर इसका असर दिख रहा है। यात्री खराब मौसम की वजह से परेशान हैं।

भारतीय रेलवे ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली आने और जाने वाली 19 ट्रेनें खराब मौसम और कोहरे की वजह से देरी से चल और पहुंच रही हैं।

दिल्ली समेत नोएडा और गाजियाबाद में भी कोहरा ही कोहरा नजर आ रहा है। बीते सोमवार को दक्षिण-पूर्व दिशाओं से चली हवा व दिन में खिली धूप से पारा बढ़ गया। दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री अधिक 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बुधवार को दिल्ली में बारिश होने के आसार है। बारिश के बाद दिन के तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है। साथ ही मौसम साफ हो सकता है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र, नई दिल्ली के मुताबिक दिल्ली का जाफरपुर व मंगेशपुर इलाका सबसे ठंडा रहा। यहां का अधिकतम तापमान सबसे कम 18.5 डिग्री दर्ज किया गया।

Uttarpradesh

बकरी चोरों ने सिपाही पर चढ़ा दी बोलेरो, मौत, कई टीमें गाड़ी और आरोपियों की तलाश में लगीं

कौशाम्बी, (एजेंसी) कौशाम्बी में सरायअकिल के पटेल चौराहा के पास सोमवार की भोर में बकरी चुराकर भाग रहे चोरों ने रोकने पर सिपाही पर बोलेरो चढ़ा दी। घायल सिपाही को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। आईजी और एसपी के निर्देश पर पुलिस की कई टीमें आरोपियों की तलाश में लगाई गई हैं। सरायअकिल थाने के तिल्हापुर चौकी में सिपाही अविनाश दुबे (27) की तैनाती थी। 2018 बैच के सिपाही अविनाश दुबे मूल रूप से बलिया जिले के बन्थरी, बेल्थरा रोड के रहने वाले थे। वह तीन भाईयों में मझले थे। अविनाश रविवार की रात करीब तीन बजे उस्मानपुर तलरी के पास साथी सिपाही अभिषेक गुप्ता के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान यूपी 112 के सिपाही पंकज कुमार ने बताया कि बजहा गांव के सिंधु के यहां से तीन बकरी चोरी हो गई है। बेटे अनुराग ने इसकी सूचना दी है। चोर बोलेरो में बकरी भरकर भाग रहे हैं और पटेल चौराहा की तरफ जा रहे हैं। सूचना कटरा व अन्य चौराहों पर पुलिस को देकर सिपाही अविनाश दुबे व अभिषेक गुप्ता ने पटेल चौराहा के पास बोलेरो को रोकने का प्रयास किया। लेकिन सिपाही अविनाश दुबे पर चोरों ने बोलेरो चढ़ा दिया।

Uttarakhand

शराब पीने पर टोका तो पति ने पत्नी को दी मौत, हत्या के बाद आत्महत्या दिखाने की कोशिश

देहरादून, (एजेंसी) पत्नी ने शराब पीने से टोका तो एफआरआई में कार्यरत एक कर्मचारी ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को आत्महत्या दिखाने का प्रयास करते हुए पत्नी को दून अस्पताल लेकर पहुंच गया। मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस पूछताछ में आरोपी से असली कहानी पता लगी।

आरोप है कि युवक के परिवार वाले दहेज को लेकर भी महिला का उत्पीड़न कर रहे थे। इंस्पेक्टर कैंट गिरीश चंद्र शर्मा ने बताया कि दीपक, पुत्र गिरदाबल, निवासी डूढपुरा, सिविल लाइन, जिला इटावा एफआरआई देहरादून में एमटीएस पद पर नौकरी करता है।

दो दिसंबर 2022 को उसकी शादी सुधा यादव (34) निवासी पालीकला, थाना भर्तना, इटावा, यूपी से हुई थी। सुधा के परिवार वालों का आरोप है कि शादी के बाद दीपक, उसका पिता गिरदाबल, मां मिथिलेश, भाई उदय और अक्षय सुधा का दहेज के लिए उत्पीड़न करने लगे।

आए दिन उससे दहेज में बोलेरो कार लाने की मांग की जाती थी। उनका दावा है कि शादी के वक्त दहेज में 20 लाख रुपये दिए भी थे। बीते साल 22 जून को आरोपी ने इटावा में बेटी सुधा के साथ मारपीट की थी। तब उन्होंने सिरगास थाने में पुलिस को सूचना दी थी।

इसके बाद दीपक के माफी मांगने पर बेटी को उनके यहां रहने दिया गया। हाल में दीपक और सुधा साथ में एफआरआई परिसर में रह रहे थे। आरोप है कि बीते 27 जनवरी को दीपक ने खूब शराब पी। सुधा ने टोका तो उसने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

खेल

इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम तीन टेस्ट के लिए आज हो सकता है टीम इंडिया का एलान, विराट की वापसी पर संदेह

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला दो फरवरी से शुरू होना है। इससे पहले सीरीज के आखिरी तीन मुकाबलों के लिए भारतीय टीम का एलान हो सकता है। भारतीय टीम का चयन करने के लिए चयनकर्ता आज बैठकर कर सकते हैं। हैदराबाद टेस्ट 28 रन से हारकर भारत पहले ही सीरीज में 0-1 से पिछड़ गया है। इसलिए रोहित शर्मा की अगुवाई वाली घरेलू टीम पर वापसी करने का दबाव होगा।

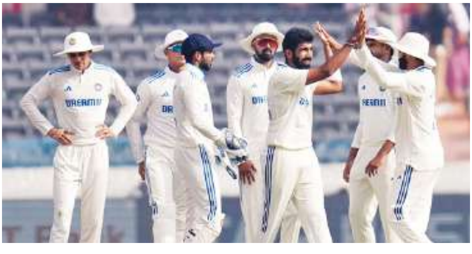

भारत के लिए पहले टेस्ट की पहली पारी में लोकेश राहुल, यशस्वी जायसवाल और रवींद्र जडेजा ने अच्छी बल्लेबाजी की थी, लेकिन तीनों खिलाड़ी शतक से चूक गए थे। इनमें से दो खिलाड़ी राहुल और जडेजा चोट के कारण दूसरे मुकाबले से बाहर हो चुके हैं। इस वजह से दूसरे मुकाबले के लिए सरफराज खान, वाशिंगटन सुंदर और सौरभ कुमार को टीम इंडिया में शामिल किया गया है। दूसरा टेस्ट विशाखापत्तनम के डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। सरफराज और सौरभ को पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है। दोनों ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों की अनौपचारिक टेस्ट सीरीज में भारत ए के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। दूसरी ओर, सुंदर ने आखिरी बार 2021 में टेस्ट क्रिकेट खेलने के बाद वापसी की।

क्या वापसी करेंगे विराट कोहली?

आखिरी तीन टेस्ट से पहले विराट कोहली की वापसी सबसे चर्चित विषयों में से एक बनी हुई है। इससे पहले, कोहली ने 'व्यक्तिगत कारणों' का हवाला देते हुए हैदराबाद और विशाखापत्तनम में पहले दो मैचों से नाम वापस ले लिया था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक बयान जारी कर कोहली से जुड़े घटनाक्रम को सामने रखा। इसके बाद उनकी जगह 30 साल के रजत पाटीदार को टीम में लिया गया, हालांकि उन्हें हैदराबाद टेस्ट में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला। चयनकर्ताओं की बैठक के बाद पता चलेगा कि कोहली पांच मैचों की सीरीज के आखिरी तीन मैचों में खेलेंगे या नहीं।

सिनेमा

फरवरी में होगा बॉक्स ऑफिस पर बड़ा धमाका

फरवरी का महीना सिनेप्रेमियों के लिए शानदार होने वाला है। दरअसल, साल 2024 के दूसरे महीने में सिनेमाघरों में पॉलिटिकल ड्रामा से लेकर रोमांटिक-कॉमेडी तक कई सारी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इतना ही नहीं, 'लाल सलाम' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' जैसी छह बड़ी फिल्मों के बीच क्लैश भी होने वाला है। यहां देखिए फरवरी 2024 में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली फिल्मों की पूरी लिस्ट।

02 फरवरी- नवाजुद्दीन सिद्दीकी की 'सेक्शन 108' 2 फरवरी के दिन रिलीज होगी। ये एक डार्क मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है जिसकी कहानी वकील ताहूर खान के इर्द-गिर्द घूमेगी। दरअसल, सनराइज इंश्योरेंस में काम करने वाली शिखा सक्सेना एक करोड़पति बिजनेसमैन के केस में वकील ताहूर खान की मदद लेगी। लेकिन, पावर का इस्तेमाल कर इस वकील को मृत घोषित कर दिया जाएगा।

09 फरवरी- फरवरी के दूसरे हफ्ते में शाहिद कपूर और रजनीकांत की फिल्म के बीच बॉक्स ऑफिस पर क्लैश देखने को मिलेगा। दरअसल, 9 फरवरी के दिन शाहिद कपूर की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' के साथ रजनीकांत की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'लाल सलाम' सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

16 फरवरी- बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार की फिल्म 'स्टार्टअप' 16 फरवरी के दिन रिलीज होने वाली है। हालांकि अभी तक सोराई पोटरू की रीमेक 'स्टार्टअप' का कोई ट्रेलर सामने नहीं आया है। 'स्टार्टअप' के साथ साल 2010 में रिलीज हुई 'लव सेक्स और धोखा' का सीक्वल 'लव सेक्स और धोखा 2' भी 16 फरवरी के दिन रिलीज होगा।

संपादकीय

बड़ा सियासी उलटफेर

राजद के साथ मिल कर सरकार बनाने के बाद नीतीश कुमार ने निस्संदेह कई महत्त्वपूर्ण काम किए, जिसकी पूरे देश में सराहना हुई। उन्होंने जाति जनगणना कराया, खाली पदों पर त्वरित ढंग से भर्तियां कराईं। इस तरह नीतीश कुमार सरकार पर वहां के लोगों में भरोसा मजबूत हुआ। मगर अब उनके ताजा फैसले से निराशा नजर आने लगी है। भाजपा के साथ मिल कर वे सरकार तो चला लेंगे, मगर प्रदेश के लोगों का भरोसा कितना जीत पाएंगे, देखने की बात होगी। राजनीतिक गठबंधन में मतभेद कोई नई बात नहीं, मगर राजद के साथ उनके क्या ऐसे मतभेद थे, जिसकी वजह से उन्होंने उससे अलग होने का फैसला किया, यह कई लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है। दरअसल, राजद के साथ उनकी पार्टी के संबंध बिल्कुल सहज और सामान्य ही दिख रहे थे। नीतीश कुमार के इस तरह पाला बदलने से निश्चय ही अगर किसी को फायदा हुआ है, तो वह है भाजपा। आम चुनाव नजदीक हैं और बिहार में भाजपा के लिए कठिन चुनौती मानी जा रही थी, वह चुनौती अब आसान हो जाएगी। सबसे बड़ी बात कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में नीतीश कुमार की सक्रियता से भी भाजपा को मुश्किलें पेश आ रही थीं। यह गठबंधन चूंकि नीतीश कुमार की पहल पर ही बना था, माना जा रहा था कि अगले लोकसभा चुनाव में यह भाजपा को टक्कर दे सकता है। नीतीश कुमार के भाजपा से हाथ मिला लेने के बाद वह गठबंधन कुछ और कमजोर हो गया है। ममता बनर्जी और आम आदमी पार्टी सीट बंटवारे को लेकर पहले ही अपना एतराज जता और स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला सुना चुके हैं। इस तरह यह भाजपा की दूसरी बड़ी कामयाबी कही जा सकती है। हालांकि नीतीश कुमार के पाला बदलने की अटकलें कई दिन पहले से लगाई जा रही थीं, मगर राजद के साथ उनके मनमुटाव की वजहें स्पष्ट नहीं थीं। नीतीश कुमार ने इतना भर कहा है कि उनके लोग दिन-रात मेहनत करके काम कर रहे थे और श्रेय दूसरे लोग ले जा रहे थे, इसलिए उनकी पार्टी में इसे लेकर नाराजगी थी। मगर भाजपा के साथ उन्हें अब कोई मुश्किल नहीं आएगी, इसका दावा वे शायद ही कर पाएं, क्योंकि उससे अलग होते समय भी नीतीश कुमार ने यही तर्क दिया था।

Quote...

"If life were predictable it would cease to be life and be without flavor."

-Eleanor Roosevelt

MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

मोक्ष दो अक्षर का शब्द - मो का अर्थ मोह और क्ष का अर्थ क्षय नाश हो जाना. हमारे जीवन में धीरे धीरे मोह का नाश हो जाये कम हो जाये, उसी को मोक्ष कहते है।

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

Health is Wealth

सोशल मीडिया की लत के शिकार हो चुके हैं आप, ये लक्षण दे रहे संकेत

स्मार्टफोन और इंटरनेट का इस्तेमाल तो रूटीन की चीजों में भी लोग करते हैं। कई बार इसके फायदे भी देखने को मिलते हैं। लेकिन अगर आप अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल केवल सोशल मीडिया को स्क्रॉल करने के लिए कर रहे हैं। तो ये खतरे की घंटी है। क्योंकि कई सारी रिसर्च में खुलासा हो चुका है कि ज्यादा सोशल मीडिया का इस्तेमाल ना केवल आपको मानसिक रूप से बीमार और स्ट्रेस में डाल रहा है। बल्कि फिजिकली भी अनहेल्दी कर रहा है। आप सोशल मीडिया के एडिक्ट हो चुके हैं। इन छोटी बातों से पचा चल सकता है।

काम टालते हैं

अगर आप अपने रोजाना के काम को भी सोशल मीडिया स्क्रॉल करने की वजह से टाल रहे हैं। तो संभलने की जरूरत है क्योंकि ये सबसे पहला लक्षण है सोशल मीडिया की लत के शिकार होने का।

हर वक्त फोन चलाना

आप खाना खा रहे हैं या फिर दोस्तों के साथ हैंगआउट करने निकले हैं। लेकिन दोस्तों के साथ बातचीत के वक्त भी सोशल मीडिया स्क्रॉल कर रहे हैं तो ये आपके एडिक्टेड होने की निशानी है।

सारी समस्या सोशल मीडिया पर खोजते हैं

लाइफ में कोई भी प्रॉब्लम आई तो सबसे पहले सोशल मीडिया पर लगते हैं उसका समाधान खोजने। अगर ये आदत है तो संभल जाएं। इसे सोशल मीडिया की लत कहते हैं।

मन में बेचैनी रहना

अगर आप मोबाइल नहीं चला पा रहे और पसंदीदा सोशल मीडिया नहीं चला पा रहे और मन में बेचैनी, मूड खराब होने जैसी स्थिति हो रही है। तो ये आपके सोशल मीडिया के लत होने के लक्षण हैं।

हर वक्त सोचना

दिमाग में हर वक्त सोशल मीडिया के बारे में चल रहा है तो ये भी आपके सोशल मीडिया के लत के शिकार होने के लक्षण हैं।

Highlights

1. **Remembering Mahatma Gandhi: PM Modi pays homage on his punya tithi**
2. **BMW seized from J'khand CM Soren's Delhi home amid land scam probe, pic surfaces**
3. **29% DigiYatra users in Delhi had no idea about DigiYatra signup**
4. **Woman seeks divorce after mother-in-law uses her make-up in Agra**
5. **Delhi: Man kills friend, crushes head for demanding unnatural sex**
6. **Loco Pilot Caught Stealing From Train Passengers**
7. **UPSSSC PET result 2023 declared: Check your scores online**

Centre to hold all-party meeting today ahead of interim Budget session

NEW DElHI, (Agency). Ahead of the interim Budget session of Parliament, the Centre has called for a meeting with the floor leaders of political parties in both Houses on Tuesday. The meeting will be chaired by Parliamentary affairs minister Pralhad Joshi at 11:30am in the Parliament Library building.

The meeting convened by the government is a customary practice ahead of every Parliamentary session. During the meeting, leaders highlight the issues they would want to raise during the Parliament session.

The Budget session will begin with the address of President Droupadi Murmu on Wednesday and is likely to conclude on February 9. Union finance minister Nirmala Sitharaman is poised to present the interim Budget for the fiscal year 2024-25 on Thursday. She is the first full-time woman finance minister of the country who will present her sixth straight budget - equalling the record of former prime minister Morarji Desai.

According to Sitharaman, this year's budget would primarily be a “vote on account” before the general elections. During her address earlier, she emphasised that such interim budgets typically do not include significant announcements, and the public will have to await the new government's presentation of the comprehensive budget in July 2024.

What is the Union Budget?

The Union Budget is the Centre's annual financial statement that outlines the government’s proposed expenditures and revenues for the upcoming fiscal year - April 1 to March 31. It includes all details about the expenditures, revenues, liabilities, and welfare schemes.

It is expected that this year the Centre will make some changes to its welfare scheme, including the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi. According to reports, the government might increase the PM Kisan scheme payout by 50 per cent this year, from ₹6,000 to ₹9,000 per year.

Why Sony scrapped $10 billion deal? Zee ‘failed to meet financial terms’: Report

NEW DElHI, (Agency). Sony may have scrapped $10 billion merger of its Indian arm with Zee Entertainment owing to the latter's failure in meeting some financial terms of the deal, it was reported. Zee was unable to come up with a plan to meet the financial terms as well, news agency Reuters reported quoting a termination notice. Zee has denied allegations in a letter to Sony, the report added, as the Indian company accused Sony of "bad faith" in calling off the merger. Sony terminated merger plans on January 22 saying in a

statement that the decision was taken because "closing conditions" were not satisfied after two years of negotiations. Reuters reported that Sony's notice said Zee had "failed to take commercially reasonable" efforts to meet some financial thresholds, including with regards to cash availability. A "lack of commercial prudence" by the Indian network contributed to its decision, it said in the 62-page notice. Sony also said several breaches of the merger agreement were “not remediable and any further attempts to mutually discuss would be an empty formality, especially given ... plain denial (by Zee) and failure to provide a proposal to protect Sony's interests.

अज्ञात वाहन ने ली जान

→ड्यूटी से जा रहा था घर जाते समय हो गया हादसा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। भंवरकुआं में किराए से रहने वाले एक निजी अस्पताल के ओटी टेक्नीशयन की हादसे में मौत हो गई। रात में वह ड्यूटी खत्म कर अपने दोस्त के साथ वापस आ रहा था। इस दौरान हादसे का शिकार हो गया। बताया जा रहा है कि बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। पुलिस हादसे को लेकर जानकारी जुटा रही है।

भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक घटना पालदा इलाके की है। शिवम (21) पिता हेमसिंह मीणा निवासी पालदा अपने दोस्त पंकज के साथ बाइक से रूम पर आने के लिए निकला। इस दौरान पालदा के पास ही हादसे का शिकार हो गया। शिवम को गंभीर चोट लगने के चलते एमवाय भेजा गया। यहां उसकी मौत हो गई। दोस्तों ने बताया कि शिवम दूधिया के पास एनर्जी अस्पताल में ओटी टेक्नीशयन का काम करता था। रात 10 बजे ड्यूटी खत्म कर वह वापस जा रहा था।

शिवम के दोस्तों ने जानकारी दी कि उनके पिता की काफी समय पहले मौत हो चुकी है। शिवम मूल रूप से खातेगांव के पास जूना पानी का रहने वाला है। परिवार में एक छोटा भाई है जो 12वीं की पढ़ाई कर रहा है। वहीं मां और चाचा का परिवार साथ रहता है। पुलिस के मुताबिक हादसा किस गाड़ी से हुआ इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

तीन माह के नवजात की मौत

इंदौर। लसुडिया थाना क्षेत्र स्थित अनाथ आश्रम में रहने वाले तीन माह के नवजात की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक यह बच्चा करीब तीन माह पहले धार जिले में झाडियों में मिला था। जिसे बाल कल्याण समिति धार ने यहां भेजा था। नवजात की तबीयत पहले से बिगड़ी हुई थी। जिसका पहले भी एमवाय अस्पताल में इलाज चला था। शाम को अचानक उसे उलटी होने लगी, जिसे आश्रम से अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। वहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण पता चलेगा।

जमीन की धोखाधड़ी, फरियादी पुलिस की शरण में

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शहर में कथित भूमाफियाओं द्वारा डायरी में प्लाट देने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में लसूडिया थाना क्षेत्र में धोखाधड़ी का मामला सामने आया है जिसमें फरियादी से प्लॉट के नाम पर लाखों रुपए ले लिए और उसके बाद ना तो प्लाट दिया और ना ही रुपए वापस कर रहा है। परेशान होकर फरियादी ने पुलिस की शरण ली। दरअसल, फरियादी श्रीनाथ पांडे ने बताया कि उसने आदित्य बागरेचा पिता राजेश नामक युवक से महालक्ष्मी नगर में स्थित प्लॉट का सौदा किया था, जिन्होंने अलग-अलग किस्तों में प्रॉपर्टी होकर आदित्य को 20 लख रुपए दिए थे और उनसे वादा किया था कि मेगा सिटी में उन्हें एक प्लॉट दिला दिया जाएगा, लेकिन कुछ समय बाद आरोपी ने रुपए लेकर फरियादी को कहा कि आपका प्लॉट चेंज कर दिया गया है। आपको प्लॉट जैन दिवाकर कॉलोनी में दिया जाएगा, लेकिन समय बीत जाने के बाद भी आरोपी आदित्य बागरेचा ने ना तो प्लाट दिया ना ही रुपए वापस दिए। जब फरियादी ने कानूनी कार्रवाई की बात की तो आदित्य बागरेचा द्वारा दो चेक दे दिए, लेकिन जब उन्हें बैंक में बुलाने के लिए डाला तो वह बाउंस हो गया। जब फरियादी ने आरोपी को पेमेंट देने के लिए कहा तो उसे अपशब्द भी कहे, जिसका एक शिकायती आवेदन लसूडिया थाने पर भी दिया है, लेकिन थाने की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है, जिसे लेकर सोमवार को फरियादी एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के पास पहुंचे और उन्होंने अपना शिकायती आवेदन दिया है। वहीं एडिशनल डीसीपी ने जल्द कानूनी कार्रवाई करने के लिए उन्हें आश्वासन दिया है।

जिम ट्रेनर ने की मारपीट, जान से मारने की धमकी भी दी

भाई बहन ने दर्ज कराया प्रकरण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। द्वारकापुरी पुलिस ने एक जिम संचालक के खिलाफ भाई-बहन से मारपीट करने और धमकाने के मामले में केस दर्ज किया है। आरोपी ने फिटनेस के लिए जिम में आने वाली एक युवती को हैवी डाइट देने के साथ-साथ एक्सरसाइज ज्यादा करा दी। जिससे युवती की तबीयत बिगड़ गई। परिवार जब मामले में बात करने पहुंचा तो जिम संचालक ने मारपीट कर दी।

पुलिस के मुताबिक मयंक अग्रवाल निवासी प्रिकांको कॉलोनी की शिकायत पर बिल पावर जिम के संचालक वैभव शुक्ला के खिलाफ मारपीट करने और धमकाने का केस दर्ज किया गया है। मंयक ने बताया कि उनकी बहन वैष्णवी गोपुर चौराहे पर जिम जाती है। यहां वैभव शुक्ला द्वारा उसे हैवी डाइट दी जा रही थी। एक्सरसाइज भी ज्यादा कराई जा रही थी। इससे उसकी तबीयत खराब हो गई। सोमवार को मयंक जब बहन को साथ लेकर जिम पर पहुंचे तो यहां वैभव ने जोर जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया। इतना नहीं बहन और भाई के साथ मारपीट कर उन्हें जान से मारने की भी धमकी दी।

पत्नी ने की थी मारपीट की शिकायत, रेप, अपहरण में भी नाम

वैभव के खिलाफ दो साल पहले पत्नी ने शराब पीकर मारपीट करने, घर में बंद रखने की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद जिम पर कब्जे को लेकर भी उसके खिलाफ केस दर्ज हुआ था। वैभव पर पूर्व में परिवहन नगर में रहने वाली एक युवती ने सगाई होने के बाद मारपीट करने और रेप सहित अन्य मामलों में केस दर्ज कराया था। पीड़िता से वैभव की पहचान जिम में ट्रेंनिग के दौरान हुई थी। बाद में युवती ने छेड़छाड़ की एफआईआर दर्ज कराई थी। रुपए के लेनदेन में वैभव ने जिम के ही एक ट्रेनर अतुल प्रभे का अपहरण कर लिया था। उसे बधंक बनाकर मारपीट की थी। कुछ दिन पहले भी जिम में मारपीट और कब्जे को लेकर वैभव के खिलाफ शिकायत पहुंची थी।

दिनदहाड़े ले भागे सोने-चांदी के जेवरात

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। रविवार को शेयर कारोबारी के घर दिनदहाड़े चोरी की वारदात हो गई। फरियादी स्मृति पति राहुल समुद्रे निवासी महालक्ष्मी नगर ने बताया कि वह मल्टी में फस्ट फ्लोर पर रहती है। पति निजी कंपनी में नौकरी करते हैं।

रविवार दोपहर 12 बजे के दरमियान अपनी 12 साल की बेटी को लेकर खरीदी करने बाजार गई थी। शाम पौने छह बजे जब घर लौटी तो मुख्य गेट का ताला टूटा पड़ा था। घर में रखी अलमारी का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। अलमारी से पुराने इस्तेमाली सोने-चांदी के जेवर गायब मिले। घटना की जानकारी पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी कैमरे की जांच की। चोर को पकडने पुलिस ने टीम गठित की है। उल्लेखनीय है कि इस इलाके में हर माह 3 से 5 चोरी की वारदातें होती है।

ट्रक में अचानक लगी आग

इंदौर। औद्योगिक नगरी पीथमपुर के कपिला चौराहे सोमवार दोपहर को एक ट्रक में अचानक आग लग गई। घटना के दौरान ड्राइवर गाड़ी छोड़ कर भाग गया। इसके बाद सुचना मिलने पर पुलिस, प्रशासन और प्राइवेट कंपनियों के दमकल ने आग पर काबू पाया। प्रत्यक्षदर्शी जीतू ठाकुर ने बताया कि सेक्टर एक थाना क्षेत्र के कपिला चौराहे के पास एक ट्रक में अचानक आग लग गई। ट्रक के केबिन में लगते ही ड्राइवर ट्रक छोडकर भाग गया। इसके बाद स्थानीय लोगों की सुचना पर पुलिस और फायर ब्रिग्रेड मौके पर पहुंची। इसके बाद बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं ट्रक में आग लगने से मार्ग पर करीब एक किलोमीटर तक जाम लग गया।

युवक ने लगाई फांसी

कुछ दिन पहले ही रिहेब सेंटर से मिली थी छुट्टी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। बाणगंगा में रहने वाले 23 साल के एक युवक ने नशे की लत के चलते सुसाइड कर लिया। परिवार के मुताबिक वह रातभर हंगामा करता रहा। इसके बाद सुबह कमरे में जाकर फांसी लगा ली। उसे परिवार के लोग एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक तरूण पुत्र दशरथ यादव गोविंद कॉलोनी का रहने वाला है। उसने अपने घर की पहली मंजिल पर फांसी लगाकर जान दे दी। तरूण सुबह बाथरूम में जाने का कहकर गया था। इसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। भाई अरूण ने बताया कि वह नशे का आदी था। रात में भी उसने नशे को लेकर काफी हंगामा किया था। आए दिन परिवार से रूपये मांगने को लेकर विवाद भी करता था। उसका रिहेब सेंटर में तीन माह उपचार भी कराया। लेकिन बाहर आने के बाद फिर से वह नशा करने लगा था।परिवार ने आरोप लगाया कि इलाके में एक स्कूल के पास बदमाश खुलेआम नशा बेचते हैं। तरूण वहीं से नशा लेकर आता था। पुलिस को कई बार जानकारी दी गई। लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। एक सप्ताह पहले वह पांच हजार रूपये लेकर गया था और पूरा पैसा नशे में खर्च कर दिया था। तरूण के परिवार में उसका भाई अरूण और एक बहन है। पिता सांवेर रोड की एक फैक्ट्री में काम करते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 0731-2433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक